

प्रेषक,

डॉ० उमाकान्त पंवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
शहरी विकास विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

शहरी विकास अनुभाग-2 :

देहरादून: दिनांक- 22 अक्टूबर, 2012

विषय:- कोटद्वार स्थित बुद्धा पार्क के सौन्दर्यीकरण कार्य हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषयक शासनादेश संख्या 1128/IV(2)-श0वि0-11-16(मु0मं0घो0)/11, दिनांक 02-12-2011 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिनके माध्यम से नगरपालिका परिषद, कोटद्वार हेतु अवस्थापना विकास के अन्तर्गत कोटद्वार स्थित बुद्धा पार्क के सौन्दर्यीकरण कार्य हेतु रु. 21.22 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करते हुए रु. 10.00 लाख की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई थी। उक्त के क्रम में अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका परिषद, कोटद्वार द्वारा अपने पत्रांक ममो/मु0मं0घो0(बु0पा0)/दि0कि0/12-13, दिनांक 06.08.2012 के द्वारा उपयोगिता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराते हुए अवशेष धनराशि रु. 11.22 लाख अवमुक्त किए जाने का अनुरोध किया गया है।

2- उपरोक्त के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उपरोक्त कार्य हेतु द्वितीय एवं अंतिम किस्त के रूप में निविदा से प्राप्त न्यूनतम धनराशि के दृष्टिगत अवशेष रु. 10.55 लाख (रुपये दस लाख पचपन हजार मात्र) की धनराशि को व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (i) उक्त धनराशि रु. 10.55 लाख (रुपये दस लाख पचपन हजार मात्र) आपके द्वारा आहरित कर सम्बन्धित नगरपालिका को बैंक ड्राफ्ट अथवा चैक के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी, जो शासनादेश की शर्तें पूर्ण करने पर कार्यदायी संस्था को अवमुक्त करेंगे।
- (ii) पूर्व निर्गत शासनादेश संख्या 1128/IV(2)-श0वि0-11-16(मु0मं0घो0)/11, दिनांक 02-12-2011 में उल्लिखित अन्य शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।
- (iii) सम्बन्धित कार्यदायी संस्था द्वारा निर्माण कार्य निर्धारित अवधि के अन्तर्गत पूर्ण किया जाना आवश्यक होगा और किसी भी दशा में पुनरीक्षित आगणनों पर स्वीकृति प्रदान नहीं की जाएगी।
- (iv) स्वीकृत कार्य कराते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं मितव्ययता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत किये गये शासनादेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।
- (v) कार्य के मध्य तथा बाद में इसकी गुणवत्ता की चेकिंग, किसी तृतीय तकनीकी पक्ष से कराके उसकी रिपोर्ट शासन को प्रेषित की जाएगी और इसका खर्च योजना की अनुमोदित लागत से ही वहन किया जायेगा।
- (vi) सभी निर्माण कार्य समय-समय पर गुणवत्ता एवं मानकों के सम्बन्ध में निर्गत शासनादेशों के अनुरूप कराये जायेंगे तथा यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों को पूर्ण नहीं करते हैं तो सम्बन्धित संस्था को अग्रेत्तर धनराशि उक्त मानकों को पूर्ण करने पर निर्गत की जायेगी।

- (vii) कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु संबंधित अधिशासी अभियंता/अधिशासी अधिकारी पूर्णरूपेण उत्तरदायी होंगे।
- (viii) निर्माण कार्य पर प्रयोग किए जाने वाली सामग्री का नमूना परीक्षण अवश्य करा लिया जाये तथा उपयुक्त पायी गयी सामग्री का ही प्रयोग निर्माण कार्य में किया जाये।
- (ix) मुख्य सचिव महोदय, उत्तराखण्ड शासन के शासनोदश संख्या 2047/XIV-219/2006 दिनांक 30 मई, 2006 के द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय का कड़ाई से पालन किया जाए।
- (x) स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-3-2013 तक पूर्ण उपयोग कर, कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।

3- उक्त के संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2012-13 के आय-व्ययक के अनुदान सं०-13, के लेखाशीर्षक-2217-शहरी विकास-03-छोटे तथा मध्यम श्रेणी के नगरों का समेकित विकास-आयोजनागत-191-स्थानीय निकायो, निगमों, शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर सुधार बोर्डों को सहायता-03-नगरों का समेकित विकास-05-नगरीय अवस्थापना सुविधाओं का विकास" के मानक मद '20 सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता' के नामे डाला जाएगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशा०सं०- 694/XXVII(2)/2012, दिनांक- 05 अक्टूबर, 2012 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

5- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 183/XXVII(2)/2012, दिनांक 28-03-2012 में सुनिश्चित व्यवस्थानुसार अलॉटमेंट आई डी-S.12.0.1.3.0/5.4 के अधीन निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डॉ० उमाकान्त पंवार)
सचिव।

सं०-1440 (1)/IV(2)-शा०वि०-2012, तददिनांक।

प्रतिलिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार (लेखा परीक्षा)/(लेखा एवं हकदारी), उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
3. निजी सचिव, मा० नगर विकास मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
5. जिलाधिकारी, कोटद्वार।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/वित्त अधिकारी, केन्द्रीयकृत भुगतान एवं लेखा (साईबर ट्रेजरी), देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2/निदेशक, राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड शासन।
8. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून, को इस अनुरोध के साथ कि नगर विकास के जी०ओ० में इसे शामिल करें।
9. अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी, नगरपालिका परिषद, कोटद्वार।
10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड बुक।

आज्ञा से,
(राधिका झा)
अपर सचिव।